



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

प्रयागराज, सोमवार, 09 मई, 2025 ई०

(वैशाख 19, 1947 शक संवत्)

कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या-347/दस-लाइसेंस-171/विदेशी मदिरा-प्रीमियम दिटेल वैण्डस/2024-25

प्रयागराज, दिनांक 09 मई, 2025 ई०

अधिसूचना

सा०प०नि०-35

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या 4 सन् 1910) की धारा 41 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के प्रीमियम फुटकर विक्रय के लाइसेंसों का व्यवस्थान) नियमावली, 2020, को संशोधन करने की दृष्टि से एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के प्रीमियम फुटकर विक्रय के लाइसेंसों का व्यवस्थान)

(तृतीय संशोधन) नियमावली, 2025

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के प्रीमियम फुटकर विक्रय के लाइसेंसों का व्यवस्थान) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2024 कही जायेगी।

(2) यह दिनांक 01 अप्रैल, 2024 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

2. नियम-2 का संशोधन- उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के प्रीमियम फुटकर विक्रय के लाइसेंसों का व्यवस्थापन) नियमावली, 2020, जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, में नीचे स्तम्भ-1 में दिए गए विद्यमान नियम-2 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-एक विद्यमान नियम	स्तम्भ-दो एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>2. परिभाषा-</p> <p>(1) जब तक विषय या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में:-</p> <p>(क) " अधिनियम " का तात्पर्य समय-समय पर यथा संशोधित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम 1910 से है;</p> <p>(ख) "आबकारी वर्ष " का तात्पर्य दिनांक 01 अप्रैल से प्रारम्भ होकर कैलेण्डर वर्ष के 31 मार्च तक चलने वाले वित्तीय वर्ष से है;</p> <p>(ग) "परिवार" का तात्पर्य इसमें सम्मिलित दम्पति (पति-पत्नी), आश्रित पुत्र/पुत्रों, अविवाहित पुत्री/पुत्रियों और आश्रित माता-पिता से है;</p> <p>(घ) "विदेशी मदिरा" का तात्पर्य निम्नलिखित से है जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है-</p> <p>(1) समुद्रपार विदेशी मदिरा:-बीयर और स्पिरिट, वाइन्स और लिकर्स जिन्हें भारत में मानव उपभोग के आशय से आयात किया गया हो और जिनपर ऐसे आयात के लिये सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अधीन शुल्क संदेय हो;</p> <p>(2) भारत निर्मित विदेशी मदिरा(आई.एम. एफ.एल.)- भारत में निर्मित स्पिरिट या मदिरा, जिसे सुगंध या रंग की दृष्टि से भारत में आयातित स्पिरिट या मदिरा के समान परिष्कृत किया गया हो और जिसमें माल्ट स्पिरिट, व्हिस्की, ब्रान्डी, रम, जिन, बोर्दका व लीकर्स सम्मिलित है। इसमें भारत में निर्मित बीयर, पैक की हुयी ड्राट बीयर, पोर्टर, साइडर, ऐल, वाइन व कम तीव्रता के मादक पेय (एल.ए.बी.) भी सम्मिलित है;</p> <p>(ड) " प्रपत्र "का तात्पर्य इस नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्र से है।</p> <p>(च)"सरकार "का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से है;</p>	<p>2. परिभाषायें-</p> <p>(1) जब तक विषय या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में:-</p> <p>(क) "अधिनियम" का तात्पर्य समय-समय पर यथा संशोधित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम 1910 से है;</p> <p>(ख) "आबकारी वर्ष "का तात्पर्य दिनांक 01 अप्रैल से प्रारम्भ होकर कैलेण्डर वर्ष के 31 मार्च तक चलने वाले वित्तीय वर्ष से है;</p> <p>(ग) "परिवार"का तात्पर्य इसमें सम्मिलित दम्पति (पति-पत्नी), आश्रित पुत्र/पुत्रों, अविवाहित पुत्री/पुत्रियों और आश्रित माता-पिता से है;</p> <p>(घ) "विदेशी मदिरा" का तात्पर्य निम्नलिखित से है जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है-</p> <p>(एक) समुद्रपार विदेशी मदिरा:-बीयर और स्पिरिट, वाइन्स और लिकर्स जिन्हें भारत में मानव उपभोग के आशय से आयात किया गया हो और जिनपर ऐसे आयात के लिये सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अधीन शुल्क संदेय हो;</p> <p>(दो) भारत निर्मित विदेशी मदिरा(आई.एम. एफ.एल.)- भारत में निर्मित स्पिरिट या मदिरा, जिसे सुगंध या रंग की दृष्टि से भारत में आयातित स्पिरिट या मदिरा के समान परिष्कृत किया गया हो और जिसमें माल्ट स्पिरिट, व्हिस्की, ब्रान्डी, रम, जिन, बोर्दका व लीकर्स सम्मिलित है। इसमें भारत में निर्मित बीयर, पैक की हुयी ड्राट बीयर, पोर्टर, साइडर, ऐल, वाइन व कम तीव्रता के मादक पेय (एल.ए.बी.) भी सम्मिलित है;</p> <p>(ड) " प्रपत्र " का तात्पर्य इस नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्र से है।</p> <p>(च) " सरकार " का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से है;</p>

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(छ) "व्यक्ति" का तात्पर्य 21 वर्ष से अन्यून व्यक्ति से है, जो भारत का नागरिक हो।	(छ) "व्यक्ति" का तात्पर्य 21 वर्ष से अन्यून व्यक्ति से है, जो भारत का नागरिक हो।
(ज) "लाइसेंस" का तात्पर्य इस नियमावली के अधीन स्वीकृत लाइसेंस से है;	(ज) "लाइसेंस" का तात्पर्य इस नियमावली के अधीन स्वीकृत लाइसेंस से है;
(झ) "लाइसेंस प्राधिकारी" का तात्पर्य जिला मजिस्ट्रेट/किसी राजस्व जिला के कलेक्टर से है;	(झ) "लाइसेंस प्राधिकारी" का तात्पर्य जिला मजिस्ट्रेट/किसी राजस्व जिला के कलेक्टर से है;
(ञ) "लाइसेंस फीस" का तात्पर्य प्रीमियम फुटकर विक्रय में विदेशी मदिरा के फुटकर विक्रय के एकान्तिक विशेषाधिकार के लिए लाइसेंस स्वीकृत करने हेतु राज्य सरकार के परामर्श से, आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर किसी आबकारी वर्ष के लिए प्रतिफल फीस के रूप में वसूल की जाने वाली नियत धनराशि से है: परन्तु यह कि यदि ऐसा लाइसेंस आबकारी वर्ष प्रारम्भ होने के पश्चात निर्गत किया जाता है, तो वर्ष के बाकी अवधि के लिए लाइसेंस फीस का निर्धारण आबकारी वर्ष के अवशेष बचे त्रैमासों की संख्या के अनुसार किया जायेगा। एक त्रैमास के लिए लाइसेंस फीस का निर्धारण समानुपातिक रूप से किया जायेगा।	(ञ) "लाइसेंस फीस" का तात्पर्य प्रीमियम फुटकर विक्रय में विदेशी मदिरा के फुटकर विक्रय के एकान्तिक विशेषाधिकार के लिए लाइसेंस स्वीकृत करने हेतु राज्य सरकार के परामर्श से, आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर किसी आबकारी वर्ष के लिए प्रतिफल फीस के रूप में वसूल की जाने वाली नियत धनराशि से है: परन्तु यह कि यदि ऐसा लाइसेंस आबकारी वर्ष प्रारम्भ होने के पश्चात निर्गत किया जाता है, तो वर्ष के बाकी अवधि के लिए लाइसेंस फीस का निर्धारण आबकारी वर्ष के अवशेष बचे त्रैमासों की संख्या के अनुसार किया जायेगा। एक त्रैमास के लिए लाइसेंस फीस का निर्धारण समानुपातिक रूप से किया जायेगा।
(ट) "माल" का तात्पर्य विभिन्न वस्तुओं की बिक्री हेतु बहु लाइसेंस रखने वाली एकल फर्म/कम्पनी के स्वामित्व वाले किसी परिसर में स्थित न्यूनतम 10,000 वर्ग फुट प्लिंथ क्षेत्रफल वाले किसी बड़े भवन अथवा भवनों (क्रेताओं/भ्रमणकर्ताओं हेतु एक ही तल अथवा विभिन्न तलों पर परस्पर मिले हुये मार्गों, सामूहिक पारगमन क्षेत्र और अग्रदीर्घा, प्रांगण, वाहन पार्किंग सुविधा सहित) जिनमें बड़े व्यावसायिक काम्प्लेक्सों में विभिन्न प्रकार की प्रवेश योग्य दुकान/दुकानें हों, से है। इसमें विभिन्न वस्तुओं की फुटकर बिक्री के डिपार्टमेंटल स्टोर्स या सुपर मार्केट या हाइब्रिड हाइपर मार्केट भी सम्मिलित हैं।	(ट) "माल" का तात्पर्य विभिन्न वस्तुओं की बिक्री हेतु बहु लाइसेंस रखने वाली एकल फर्म/कम्पनी के स्वामित्व वाले किसी परिसर में स्थित न्यूनतम 10,000 वर्ग फुट प्लिंथ क्षेत्रफल वाले किसी बड़े भवन अथवा भवनों (क्रेताओं/भ्रमणकर्ताओं हेतु एक ही तल अथवा विभिन्न तलों पर परस्पर मिले हुये मार्गों, सामूहिक पारगमन क्षेत्र और अग्रदीर्घा, प्रांगण, वाहन पार्किंग सुविधा सहित) जिनमें विभिन्न प्रकार की प्रवेश योग्य दुकान/दुकानें हों, से है। इसमें विभिन्न वस्तुओं की फुटकर बिक्री के शापिंग/वाणिज्यिक काम्प्लेक्स , डिपार्टमेंटल स्टोर्स, सुपर मार्केट या हाइब्रिड हाइपर मार्केट भी सम्मिलित हैं।

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(ठ) "प्रतिभूति धनराशि" का तात्पर्य लाइसेंस फीस के एक चौथाई धनराशि के समतुल्य धनराशि, जो सावधि जमा रसीद के माध्यम से जिला आबकारी अधिकारी के पक्ष में गिरवीकृत होगी अथवा ई-पेमेंट के माध्यम से जमा की जायेगी और जो लाइसेंस संचालन में लाइसेंसधारी द्वारा किये गये किसी व्यतिक्रम की स्थिति में समपहत किये जाने योग्य होगी, से है।	(ठ) "प्रतिभूति धनराशि" का तात्पर्य लाइसेंस फीस के एक चौथाई धनराशि के समतुल्य धनराशि, जो सावधि जमा रसीद के माध्यम से जिला आबकारी अधिकारी के पक्ष में गिरवीकृत होगी अथवा ई-पेमेंट के माध्यम से जमा की जायेगी और जो लाइसेंस संचालन में लाइसेंसधारी द्वारा किये गये किसी व्यतिक्रम की स्थिति में समपहत किये जाने योग्य होगी, से है।
(ड) "परिवहन अनुज्ञा पत्र" का तात्पर्य थोक लाइसेंस यथा एफ.एल.-2, एफ.एल.-2बी, एवं बी.आई.ओ.-1 से विदेशी मदिरा के परिवहन हेतु जारी अनुज्ञापन से है।	(ड) "परिवहन अनुज्ञा पत्र" का तात्पर्य थोक लाइसेंस यथा एफ.एल.-2, एफ.एल.-2बी, एवं बी.आई.ओ.-1 से विदेशी मदिरा के परिवहन हेतु जारी अनुज्ञापन से है।
(ढ) "आस्वादन कक्ष" का तात्पर्य लाइसेंस परिसर के भीतर एक अलग स्थान, जहाँ क्रेता को वाइन के आस्वादन की सुविधा अनुज्ञेय हो, से है।	(ढ) "आस्वादन कक्ष" का तात्पर्य लाइसेंस परिसर के भीतर एक अलग स्थान, जहाँ क्रेता को वाइन के आस्वादन की सुविधा अनुज्ञेय हो, से है।
(2) इस नियमावली में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्द और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए क्रमशः समनुदेशित हैं।	(2) इस नियमावली में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्द और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए क्रमशः समनुदेशित हैं।

3-नियम-6 का संशोधन- उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में, दिए गए विद्यमान नियम-6 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
6. लाइसेंस स्वीकृति पर निर्बन्धन- कोई लाइसेंस तब तक स्वीकृत नहीं किया जायेगा, जब तक कि,-	6. लाइसेंस स्वीकृति पर निर्बन्धन- कोई लाइसेंस तब तक स्वीकृत नहीं किया जायेगा, जब तक कि,-
(क) आवेदक के पास माल में न्यूनतम 500 वर्गफुट कार्पेट क्षेत्र की दुकान का कब्जा न हो। यदि प्रस्तावित परिसर का उपयोग, संपत्ति और भवन के स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा किया जा रहा हो तब पट्टा या किराया करार पंजीकृत होगा;	(क) आवेदक के पास माल में न्यूनतम 500 वर्गफुट कार्पेट क्षेत्र की दुकान का कब्जा न हो। यदि प्रस्तावित परिसर का उपयोग, संपत्ति और भवन के स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा किया जा रहा हो तब पट्टा या किराया करार पंजीकृत होगा;
(ख) दुकान का परिसर राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग या इसकी सर्विस लेन के बाहरी किनारे से 500 मीटर की दूरी में हो और परिसर राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग से द्रष्टव्य या सीधे पहुचाने योग्य हो, परन्तु 20,000 या इससे कम जनसंख्या वाले स्थानीय निकायों के क्षेत्रों में उक्त दूरी 220 मीटर होगी। परन्तु यह और कि उपरोक्त निर्बन्धन नगर पालिका क्षेत्रों की परिधि में आने वाले लाइसेंसप्राप्त प्रतिष्ठानों पर लागू नहीं होंगे।	(ख) दुकान का परिसर राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग या इसकी सर्विस लेन के बाहरी किनारे से 500 मीटर की दूरी में हो और परिसर राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग से द्रष्टव्य या सीधे पहुचाने योग्य हो, परन्तु 20,000 या इससे कम जनसंख्या वाले स्थानीय निकायों के क्षेत्रों में उक्त दूरी 220 मीटर होगी। परन्तु यह और कि उपरोक्त निर्बन्धन नगर पालिका क्षेत्रों की परिधि में आने वाले लाइसेंसप्राप्त प्रतिष्ठानों पर लागू नहीं होंगे।

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>(ग) दुकान का परिसर उत्तर प्रदेश आबकारी दुकानों की संख्या और स्थिति नियमवाली 1968 के नियम 5 के उपनियम (4) के उपबन्धों के प्रतिकूल प्रतिबन्धित दूरी के भीतर हो;</p> <p>(घ) आवेदक के पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अधीन लाइसेंस न हो।</p> <p>(ङ) दुकान के परिसर हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अग्नि सुरक्षा का विधिमान्य प्रमाण पत्र न हो।</p>	<p>परन्तु यह कि किसी माडल शॉप (एफ.एल.- 4ए) एवं विदेशी मदिरा दुकान (एफ.एल.-5डी) की 200 मीटर की परिधि में कोई नवीन प्रीमियम फुटकर विक्रय का लाइसेंस स्वीकृत नहीं किया जायेगा। यह निर्बन्धन प्रीमियम फुटकर विक्रय के पूर्व स्वीकृत लाइसेंसों पर लागू नहीं होगा।</p> <p>(ग) दुकान का परिसर उत्तर प्रदेश आबकारी दुकानों की संख्या और स्थिति नियमवाली 1968 के नियम 5 के उपनियम (4) के उपबन्धों के प्रतिकूल प्रतिबन्धित दूरी के भीतर हो;</p> <p>(घ) आवेदक के पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अधीन लाइसेंस न हो।</p> <p>(ङ) दुकान के परिसर हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अग्नि सुरक्षा का विधिमान्य प्रमाण पत्र न हो।</p>

4-नियम-8 का संशोधन-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-8 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>8. लाइसेंस शुल्क का संदाय- लाइसेंस स्वीकृति की सूचना प्राप्त करने के तीन दिनों के भीतर आवेदक को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विहित लाइसेंस शुल्क जमा करना होगा। प्रतिभूति धनराशि दस कार्यदिवसों के भीतर सावधि जमा रसीद या ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p>	<p>8. लाइसेंस शुल्क का संदाय-</p> <p>लाइसेंस स्वीकृति की सूचना प्राप्त करने के तीन दिनों के भीतर आवेदक को राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विहित लाइसेंस शुल्क जमा करना होगा। प्रतिभूति धनराशि दस कार्यदिवसों के भीतर सावधि जमा रसीद, बैंक गारण्टी या ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p> <p>परन्तु यह कि प्रतिभूति धनराशि विहित अवधि के भीतर जमा नहीं की जाती है तो रु. 2000/- प्रति दिवस की दर से शास्ति अधिरोपित की जायेगी। शास्ति के साथ प्रतिभूति धनराशि को जमा करने के लिए 15 दिवसों की अवधि ही दी जायेगी;</p> <p>परन्तु, यह और कि यदि आवेदक समयावधि के भीतर लाइसेंस फीस या प्रतिभूति धनराशि जमा करने में विफल रहता है तो उसका लाइसेंस निरस्त हो जायेगा।</p>

5-नियम-13 का संशोधन-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-13 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>13. लाइसेंसधारी (लाइसेंसधारियों) की मृत्यु होने पर-यदि लाइसेंस किसी व्यक्ति द्वारा धारित किया जाता है या संयुक्त रूप से दो या उससे अधिक भागीदारों द्वारा धारित किया जाता है, तो लाइसेंसधारी या भागीदारों में से किसी एक भागीदार की मृत्यु की दशा में लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन करने पर जीवित व्यक्ति के साथ मृतक के विधिक वारिस (वारिसों) के नाम, पात्रता शर्तों को पूरा करने के अध्यक्षीन लाइसेंस अंतरित किया जा सकता है।</p> <p>परन्तु यह कि लाइसेंस नामान्तरण हेतु किये गये आवेदन पर विचार करने के पश्चात् वे अन्यथा अपात्र न पाये जायें। भागीदारों के विधिक उत्तरदायित्वों में कोई भेद नहीं किया जायेगा, जो संयुक्त रूप से तथा पृथक्-पृथक् उत्तरदायी होंगे।</p>	<p>13. लाइसेंसधारी (लाइसेंसधारियों) की मृत्यु होने पर लाइसेंस का नामांतरण –</p> <p>(1) यदि लाइसेंस किसी व्यक्ति द्वारा धारित किया जाता है या संयुक्त रूप से दो या उससे अधिक भागीदारों द्वारा धारित किया जाता है।</p> <p>(2) कोई भी लाइसेंसधारी लाइसेंस के अंतरण के संबंध में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि अधिमानी क्रम में अपने वारिसों/परिवार के सदस्यों/निकट संबंधियों का नाम, आधार संख्या, संबंध आदि का उल्लेख करते हुए एक नामनिर्देशन शपथ पत्र प्रस्तुत कर सकता है। मृत्यु के मामलों में सर्वप्रथम नामनिर्देशन शपथ पत्र के अनुसार प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों पर विचार किया जायेगा अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।</p> <p>पूर्वोक्त आशय के प्रमाण के रूप में पब्लिक नोटरी द्वारा सम्यक रूप से सत्यापित एक शपथ पत्र लाइसेंस प्राधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत किया जायेगा।</p> <p>(3) लाइसेंसधारी या भागीदारों में से किसी एक भागीदार की मृत्यु की दशा में जहाँ नामनिर्देशन शपथ पत्र न हो, लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन करने पर जीवित व्यक्ति के साथ मृतक के विधिक वारिस (वारिसों) के नाम, पात्रता शर्तों को पूरा करने के अध्यक्षीन लाइसेंस अंतरित किया जा सकता है।</p> <p>परन्तु यह कि लाइसेंस नामान्तरण हेतु किये गये आवेदन पर विचार करने के पश्चात् वे अन्यथा अपात्र न पाये जायें।</p> <p>भागीदारों के विधिक देयताओं में कोई विभेद नहीं किया जायेगा, जो संयुक्त रूप से तथा पृथक् - पृथक् उत्तरदायी होंगे।</p>

6-नियम-18 का संशोधन-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-18 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>18. केवल शुल्क संदत्त विदेशी मदिरा की बिक्री-</p> <p>(1) लाइसेंसधारी केवल (क)समुद्रपार विदेशी मदिरा ब्राण्डों, (ख) स्काच या इससे उच्च श्रेणी के भारत निर्मित विदेशी मदिरा ब्राण्डों (ग)ब्राण्डी, जिन और वाइन की समस्त श्रेणियों, (घ) राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित अधिकतम फुटकर मूल्य की वोदका, रम और बीयर के ब्राण्ड और (ङ) कम तीव्रता के मादक पेय के समस्त ब्राण्ड की बिक्री करेगा।</p> <p>परन्तु यह कि आबकारी आयुक्त द्वारा अनुज्ञा प्राप्त समस्त एस0के0यू0 (स्टॉक कीपिंग यूनिट) में पात्र ब्राण्डों की बिक्री की जा सकती है।</p> <p>(2) लाइसेंसधारी, विदेशी मदिरा, एफ0एल0 2, एफ0एल0 2बी, बी0आई0ओ0-1 लाइसेंसधारक या आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किसी लाइसेंसधारी से प्राप्त करेगा। आयातक इकाइयों में समुद्रपार विदेशी मदिरा के किसी प्रकार के ब्राण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के अधीन इन ब्राण्डों को उत्तर प्रदेश में समुद्रपार की विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन अन्य राज्यों या संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित कस्टम बाण्डों से प्राप्त किया जा सकता है।</p> <p>(3)लाइसेंसधारी किसी व्यक्ति को भू-गृहादि के "भीतर" उपभोग के लिये किसी विदेशी मदिरा का विक्रय नहीं करेगा और कोई विदेशी मदिरा किसी अन्य लाइसेंसधारी को विक्रय नहीं करेगा।</p> <p>(4) लाइसेंसधारी केवल आयातित विदेशी मदिरा और भारत निर्मित विदेशी मदिरा के केवल उन्हीं ब्राण्डों की बिक्री करेगा जो आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित धारिताओं की मुहरबंद बोतलों/पैकेटों में उत्तर प्रदेश में बिक्री हेतु रजिस्ट्रीकृत हैं।</p>	<p>18. केवल शुल्क संदत्त विदेशी मदिरा की बिक्री-</p> <p>(1) लाइसेंसधारी केवल (क)समुद्रपार विदेशी मदिरा ब्राण्डों, (ख) स्काच या इससे उच्च श्रेणी के भारत निर्मित विदेशी मदिरा ब्राण्डों (ग)ब्राण्डी, जिन और वाइन की समस्त श्रेणियों, (घ) राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित अधिकतम फुटकर मूल्य की वोदका, रम और बीयर के ब्राण्ड और (ङ) कम तीव्रता के मादक पेय के समस्त ब्राण्ड की बिक्री करेगा।</p> <p>परन्तु यह कि आबकारी आयुक्त द्वारा अनुज्ञा प्राप्त समस्त एस0के0यू0 (स्टॉक कीपिंग यूनिट) में पात्र ब्राण्डों की बिक्री की जा सकती है।</p> <p>(2) लाइसेंसधारी, विदेशी मदिरा, एफ0एल0 2, एफ0एल0 2बी, बी0आई0ओ0-1 लाइसेंसधारक या आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किसी लाइसेंसधारी से प्राप्त करेगा। आयातक इकाइयों में समुद्रपार विदेशी मदिरा के किसी प्रकार के ब्राण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के अधीन इन ब्राण्डों को उत्तर प्रदेश में समुद्रपार की विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन अन्य राज्यों या संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित कस्टम बाण्डों से प्राप्त किया जा सकता है।</p> <p>(3) लाइसेंसधारी किसी व्यक्ति को भू-गृहादि के "भीतर" उपभोग के लिये किसी विदेशी मदिरा का विक्रय नहीं करेगा और कोई विदेशी मदिरा किसी अन्य लाइसेंसधारी को विक्रय नहीं करेगा।</p> <p>(4) लाइसेंसधारी केवल आयातित विदेशी मदिरा और भारत निर्मित विदेशी मदिरा के केवल उन्हीं ब्राण्डों की बिक्री करेगा जो आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित धारिताओं की मुहरबंद बोतलों/पैकेटों में उत्तर प्रदेश में बिक्री हेतु रजिस्ट्रीकृत हैं।</p>

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
(5) लाइसेंसधारी अनुज्ञात थोक विक्रेताओं/ बी0आई0ओ0-1 से क्रय किये गये स्टोक के सिवाय किसी प्रकार की विदेशी मदिरा का संचय या विक्रय लाइसेंस प्राप्त परिसर में नहीं करेगा जिसके क्रय, संचय या बिक्री हेतु वह अधिनियम या तद्धीन बनाई गयी नियमावली, विनियमावली या आदेशों के उपबन्धों के अधीन प्राधिकृत न हो।	(5) लाइसेंसधारी अनुज्ञात थोक विक्रेताओं/ बी0आई0ओ0-1 से क्रय किये गये स्टोक के सिवाय किसी प्रकार की विदेशी मदिरा का संचय या विक्रय लाइसेंस प्राप्त परिसर में नहीं करेगा जिसके क्रय, संचय या बिक्री हेतु वह अधिनियम या तद्धीन बनाई गयी नियमावली, विनियमावली या आदेशों के उपबन्धों के अधीन प्राधिकृत न हो।
(6) लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त परिसर से भिन्न किसी स्थान पर विदेशी मदिरा संचित नहीं करेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त परिसर के बाहर या उसके निकट अनधिकृत रूप में रखी गयी किसी विदेशी मदिरा के लिए उत्तरदायी होगा।	(6) लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त परिसर से भिन्न किसी स्थान पर विदेशी मदिरा संचित नहीं करेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त परिसर के बाहर या उसके निकट अनधिकृत रूप में रखी गयी किसी विदेशी मदिरा के लिए उत्तरदायी होगा।
(7) लाइसेंसधारी सुसंगत नियमावली के अधीन जारी परिवहन पास के माध्यम से लाइसेंस प्राप्त परिसर के लिए विदेशी मदिरा का परिवहन करेगा।	(7) लाइसेंसधारी सुसंगत नियमावली के अधीन जारी परिवहन पास के माध्यम से लाइसेंस प्राप्त परिसर के लिए विदेशी मदिरा का परिवहन करेगा।
(8) दुकान में उपलब्ध प्रत्येक विदेशी मदिरा की बोतल पर निर्माता के लेबिल और सुरक्षा कोड के अतिरिक्त ढक्कन पर आबकारी आयुक्त द्वारा विहित लेबिल चस्पा होगा।	(8) दुकान में उपलब्ध प्रत्येक विदेशी मदिरा की बोतल पर निर्माता के लेबिल और सुरक्षा कोड के अतिरिक्त ढक्कन पर आबकारी आयुक्त द्वारा विहित लेबिल चस्पा होगा।
	(9) वोदका एवं रम रु. 700 प्रति 750 एम.एल. या इससे अधिक अधिकतम खुदरा मूल्य वाले ब्राण्ड और बीयर के रु. 140 प्रति 500 एम.एल. या इससे अधिक वाले केन की अधिकतम खुदरा मूल्य की बिक्री ही अनुमन्य होगी।
	(10) (क) सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात् हवाई अड्डों और मेट्रो स्टेशन/रेलवे स्टेशन के अंदर भी प्रीमियम फुटकर विक्रय अनुमन्य होगा। ऐसी दुकानों का प्रवेश एवं निकास द्वार मुख्य भवन के अंदर से होगा।
	(ख) प्रीमियम फुटकर विक्रय दुकानों पर पृथक कक्ष में केवल वाइन आस्वादन की सुविधा अनुमन्य होगी और आस्वादन कक्ष में विक्रय प्रतिबंधित होगा।

स्तम्भ- एक विद्यमान नियम	स्तम्भ- दो एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
	<p>(ग) प्रीमियम फुटकर विक्रय दुकानों पर मदिरा सेवन संबंधी उपसाधन, जो आबकारी आयुक्त द्वारा अवधारित किया जाय, की बिक्री भी अनुमन्य होगी।</p> <p>(घ) यदि लाइसेंसधारी किसी माह में कम से कम अपने मासिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व के समतुल्य मदिरा (विदेशी मदिरा, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय) का उठान करने में विफल रहता है तो उसे सम्बन्धित माह के बकाया राजस्व के समतुल्य अतिरिक्त प्रतिभूति 10 दिवसों के भीतर जमा करने की अपेक्षा की जायेगी, ऐसा न होने पर लाइसेंस स्वतः निरस्त हो जायेगा और बकाया राजस्व की नियमानुसार वसूली की प्रक्रिया आरम्भ की जायेगी। दुकान पर अविक्रीत स्टॉक भी जब्त कर लिया जायेगा।</p> <p>परन्तु यह कि संबंधित माह/त्रैमास के बकाया राजस्व के समतुल्य अतिरिक्त प्रतिभूति समय पर जमा कर दी जाती है, तो लाइसेंसधारी द्वारा आगामी माह के लिए नियत राजस्व के समतुल्य उठान और पिछले माह/त्रैमास तक के बकाया राजस्व के समतुल्य उठान किया जा सकेगा। यदि किसी माह/त्रैमास के लिए नियत कुल राजस्व के समतुल्य उठान किया जाता है तो अन्य कोई बकाया शेष न रहने की स्थिति में जिला आबकारी अधिकारी द्वारा पूर्व में जमा की गयी अतिरिक्त प्रतिभूति तुरंत वापस कर दी जायेगी। अगले माह/त्रैमास में पिछले माह/त्रैमास के बकाया राजस्व सहित अपेक्षित राजस्व के समतुल्य उठान न करने पर प्रशमन की कार्यवाही की जायेगी।</p>

आज्ञा से,
डा० आदर्श सिंह,
आबकारी आयुक्त,
उत्तर प्रदेश।

OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH**No. 347/X-License-171/FL-Premium Retail Vends/2024-25***Prayagraj, dated: May 09, 2025***NOTIFICATION**

In exercise of powers conferred under section 41 of the United Provinces Excise Act, 1910 (U.P. Act no. 4 of 1910) **read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904(U.P. Act No. 1 of 1904)**, the Excise Commissioner, Uttar Pradesh with the previous sanction of the State Government, **hereby** makes the following rules with a view to amend the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Premium Retail Vends of Foreign Liquor) Rules, 2020:

**THE UTTAR PRADESH EXCISE (SETTLEMENT OF LICENSES FOR PREMIUM RETAIL
VENDS OF FOREIGN LIQUOR) (THIRD AMENDMENT) RULES, 2025**

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licences for Whole Sale of Foreign Liquor) (**Fifteenth** Amendment) Rules, **2024**.

(2) They shall be deemed to have come into force with effect from **01st April, 2024**.

2. Amendment of rule 2— In the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Premium Retail Vends of Foreign Liquor) Rules, 2020, hereinafter referred to as the said rules, for existing rule 2 **set out** in Column-I below, the rule as set out in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>Definition-</p> <p>2 (1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context:-</p> <p>a) "Act" means the United Provinces Excise Act, 1910 as amended from time to time.</p> <p>b) "Excise Year" means the financial year commencing from 1st April and ending with 31 March of a calendar year.</p> <p>c) "Family" means and includes spouse (husband or wife), dependent son (s), unmarried daughter (s) and dependent parents;</p> <p>d) "Foreign liquor" means and includes the following-</p> <p>(1) Overseas Foreign Liquor:- Beer and spirit, wines and liquors, which have been imported into India and are intended for human consumption, and are liable, on such importation, to duty under the Custom Tariff Act, 1975 read with Customs Act, .1962</p>	<p>2. Definitions-</p> <p>(1). In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,-</p> <p>a) "Act" means the United Provinces Excise Act, 1910 as amended from time to time;</p> <p>b) "Excise Year" means the financial year commencing from 1st April and ending with st31 March of a calendar year;</p> <p>c) "Family" means and includes spouse (husband or wife), dependent son(s), unmarried daughter(s) and dependent parents;</p> <p>d) "Foreign liquor" means and includes the following-</p> <p>i) (Overseas Foreign Liquor: Beer and spirit, wines and liquors, which have been imported into India, are intended for human consumption, and are liable on such importation to duty under the Custom Tariff Act, ,1975 read with Customs Act, .1962</p>

<p style="text-align: center;">Column-I <i>Existing rule</i></p>	<p style="text-align: center;">Column-II <i>Rule as hereby substituted</i></p>
<p>(2) Indian Made Foreign Liquor(IMFL):-Spirit or liquor made in India and sophisticated or coloured so as to resemble in flavour or colour, liquor imported into India and includes Malt spirit, Whisky, Rum, Brandy, Gin, Vodka and liqueurs. It also includes beer brewed in India or packed draught beer, porter, cider, ale, wine and low alcoholic beverages(LAB).</p> <p>(e) "Form" means a form appended to these rules;</p> <p>(f) "Government" means the State Government of Uttar Pradesh.</p> <p>(g) "Individual" means a person who is the citizen of India not below the age of twenty-one years.</p> <p>(h) "License" means license granted under these rules;</p> <p>(i) "Licensing Authority" means the District Magistrate/Collector of a revenue district.</p> <p>(j) "License fee" means a sum fixed as consideration fee for grant of the license for exclusive privilege of retail sale of foreign liquor in premium retail vend to be realized by the Excise Commissioner in consultation with the State Government from time to time for an excise year.</p> <p>Provided that if such license is issued after the beginning of the excise year then license fee for the remaining period of the year shall be determined in proportion to the remaining number of quarters of the excise year. The license fee for a quarter is determined proportionately.</p> <p>(k) "Mall" means a large business complex which contains a variety of walk-in store(s) housed in one large building or buildings (with interconnecting pathways, on same or different floors with common passage area for buyers / visitors including the atrium or foyer, having parking facility) with a minimum plinth area of 10,000 square feet, situated within a compound and is owned by single firm/company having multiple licenses to sell various commodities. It includes departmental stores, super markets or hybrid hyper markets for retail sale of various commodities.</p>	<p>(ii) Indian Made Foreign Liquor(IMFL):-Spirit or liquor made in India and sophisticated or coloured so as to resemble in flavour or colour, liquor imported into India and includes Malt spirit, Whisky, Rum, Brandy, Gin, Vodka and liqueurs. It also includes beer brewed in India, packed draught beer, porter, cider, ale, wine and low alcoholic beverages(LAB).</p> <p>(e) "Form" means a form appended to these rules;</p> <p>(f) "Government" means the State Government of Uttar Pradesh.</p> <p>(g) "Individual" means a person who is a citizen of India not below the age of twenty-one years.</p> <p>(h) "License" means license granted under these rules.</p> <p>(i) "Licensing Authority" means the District Magistrate/Collector of a revenue district.</p> <p>(j) "License fee" means a sum fixed as consideration fee for grant of the license for exclusive privilege of retail sale of foreign liquor in premium retail vend to be realized by the Excise Commissioner in consultation with the State Government from time to time for an excise year.</p> <p>Provided that if such license is issued after the beginning of the excise year then license fee for the remaining period of the year shall be determined in proportion to the remaining number of quarters of the excise year. The license fee for a quarter is determined proportionately.</p> <p>(k) "Mall" means a large business complex which contains a variety of walk-in store(s) housed in one large building or buildings (with interconnecting pathways, on same or different floors with common passage area for buyers/visitors including the atrium or foyer, having parking facility) with a minimum plinth area of 10,000 square feet, situated within a compound and is owned by single firm/company having multiple licenses to sell various commodities. It includes shopping/ commercial complex, departmental stores, super markets or hybrid hyper markets for retail sale of various commodities.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(l) "Security Amount" means the amount equal to one-fourth of the amount of license fee, to be deposited through F.D.R/Bank Guarantee pledged in favor of District Excise Officer or through e-payment within fifteen days of grant of license and is liable to be forfeited in case of any default committed by the licensee in the operation of license.</p> <p>(m) "Tasting room" means a separate space within license premises where facility of wine tasting is permissible to buyer.</p> <p>(n) "Transport permit" means a permit issued for transport of foreign liquor from the wholesale license such as FL-2, FL-2B, and BIO-1.</p> <p>(2) Words and expressions used but not defined in these rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.</p>	<p>(l) "Security Amount" means the amount equal to one-fourth of the amount of license fee, to be deposited through Fixed Deposit Receipt (FDR)/Bank Guarantee pledged, in favour of District Excise Officer, or through e-payment, within fifteen days of grant of license and is liable to be forfeited in case of any default committed by the licensee in the operation of license.</p> <p>(m) "Tasting room" means a separate space within the license premises where facility of wine tasting is permissible to buyer.</p> <p>(n) "Transport permit" means a permit issued for the transport of foreign liquor from the wholesale license such as FL-2, FL-2B, and BIO-1.</p> <p>(2) Words and expressions used but not defined in these rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.</p>

3. Amendment of rule 6— In the said rules, for existing rule 6 set out in Column I below, the rule as set out in Column II shall be substituted, namely :—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>6. Restrictions on the grant of license-A license shall not be granted unless-</p> <p>(a) the applicant is in actual possession of a shop measuring at least 500 sq feet carpet area in a mall. If the proposed premises is being utilized by an individual or institution, other than the owner of the property and building, the lease or rental agreement, shall be registered.</p> <p>(b) the premises of the shop is not within a distance of 500 mts. of the outer edge of the National or State highway or of its service lane along the highway and the premises shall not be either visible or directly accessible from a National or State highway. Provided that in case of areas comprised in local bodies with a population of 20,000 or less, the above distance shall be 220 mts. Provided further that aforesaid restrictions shall not be applied to the licensed establishments falling within the purview of municipal areas.</p>	<p>6. Restrictions on the grant of license- A license shall not be granted unless-</p> <p>(a) the applicant is in actual possession of a shop measuring at least 500 sq feet carpet area in a mall. If the proposed premises are being utilized by an individual or institution other than the owner of the property and building, the lease or rental agreement shall be registered.</p> <p>(b) the premises of the shop is not within a distance of 500 metres of the outer edge of the National or State highway or its service lane along the highway and the premises shall not be either visible or directly accessible from such National or State highway. Provided that in areas under local bodies having a population of 20,000 or less, the minimum required distance shall be 220 metres;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
	Provided Further that no new license of premium retail vend shall be granted within 200 metres radius of any model shop (FL-4A) and foreign liquor shop (FL-5D). This restriction shall not be applicable to the previously granted licenses of premium retail vend;
(c) the premises of the shop is not within prohibited distance contrary to the provisions of sub-rule(4of rule 5 of the Uttar Pradesh Number and Location of Excise Shops Rules, .1968) c) the premises of the shop is not within prohibited distance contrary to the provisions of sub-rule(4of rule 5 of the Uttar Pradesh Number and Location of Excise Shops Rules, .1968
)d) the applicant has a license under the Food Safety and Standards Act, 2006 issued by the competent authority.)d) the applicant has a license under the Food Safety and Standards Act, 2006 issued by the competent authority.
)e) the premises of the shop has a valid certificate of fire security issued by competent authority.)e) the premises of the shop has a valid certificate of fire security issued by competent authority.

4. Amendment of rule 8—In the said rules, for existing rule 8 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
8- Payment of Licence Fee- Within three days of receipt of information of sanction of licence, the applicant shall deposit the licence fee prescribed by the state Government from time to time.A security amount, shall be deposited through F.D.R / Bank Guarantee or e-payment within ten working days.	8- Payment of Licence Fee -Within three days of receipt of information of sanction of licence, the applicant shall deposit the licence fee prescribed by the state Government from time to time. A security amount, shall be deposited through F.D.R /Bank Guarantee or e-payment within ten working days. Provided that if the security amount is not deposited within the prescribed period, a penalty of Rs. 2000/- per day shall be imposed. Only a period of 15 days shall be allowed to deposit security amount along with penalty: Provided further that if applicant fails to deposit the license fee or security amount within stipulated time period, his license shall stand cancelled.

5. Amendment of rule 13—In the said rules, for existing rule 13 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>13- On death of a licensee(s)-If a license is held by an individual or is jointly held by two or more partners, in the event of death of licensee or one of partners, on an application made to the licensing authority, license may be mutated in the name of the survivors along with the legal heir(s) of deceased, subject to fulfillment of eligibility conditions:</p> <p>Provided they are not found otherwise ineligible after considering the application made for the mutation of license. No distinction will be made between the legal liabilities of the partners who will be jointly and severally responsible.</p>	<p>13- Mutation of license on death of a licensee(s)-</p> <p>(1) A license may be held by an individual or may be held jointly by two or more partners.</p> <p>(2) A licensee may submit a nomination affidavit regarding the transfer of license mentioning the names of his heirs/family members/close relatives, Aadhaar number, relation etc. in first, second, third etc. order of preference. In case of death, the applications submitted as per the nomination affidavit shall be considered first, otherwise action will be taken as per the rules.</p> <p>An affidavit duly verified by notary public as a proof of aforesaid intent shall be submitted in the office of the licensing authority.</p> <p>(3) In the event of death of licensee or one of partners, where there is no nomination affidavit, then on an application made to the licensing authority, the license may be mutated in the name of the survivors along with the legal heir(s) of deceased, subject to fulfillment of eligibility conditions:</p> <p>Provided that they are not found otherwise ineligible after considering the application made for the mutation of license.</p> <p>No distinction will be made between the legal liabilities of the partners who will be jointly and severally responsible.</p>

6. Amendment of rule 18—In the said rules, for existing rule 18 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>18- Sale of only duty paid foreign liquor-</p> <p>(1) The licensee shall sell only,- (a) Overseas foreign liquor brands, (b) IMFL brands of Scotch or above category (c) all categories of brandy, Gin and wine, (d) brands of vodka, rum and beer with maximum retail price as prescribed by Excise Commissioner with previous approval of State Government and (e) all brands of LAB.</p>	<p>18- Sale of only duty paid foreign liquor-</p> <p>(1) The licensee shall sell only,- (a) Overseas foreign liquor brands, (b) IMFL brands of Scotch or above category (c) all categories of brandy, Gin and wine, (d) brands of vodka, rum and beer with maximum retail price as prescribed by Excise Commissioner with previous approval of State Government and (e) all brands of LAB.</p>

<p>Column-I <i>Existing rule</i></p>	<p>Column-II <i>Rule as hereby substituted</i></p>
<p>Provided that all these eligible brands can be sold in all SKUs (Stock Keeping Units) permitted by Excise Commissioner.</p> <p>(2) The licensee shall procure Foreign Liquor from license holder of FL-2, FL-2B, BIO-1 or from any licensee authorized by the Excise Commissioner. In case of non-availability of any type of brands of overseas foreign liquor at importing units, authorized persons may procure these brands under special permission of Excise Commissioner from custom bonds established in other states or Union Territories under provisions of import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules 2003.</p> <p>(3) The licensee shall not sell any foreign liquor to any person for consumption "on" the premises and shall not sell any foreign liquor to any other licensee.</p> <p>(4) The licensee shall sell only those brands of imported foreign liquor and IMFL which are registered for sale in Uttar Pradesh in sealed bottles/packs and sizes as approved by Excise Commissioner.</p> <p>(5) The licensee shall not stock or sell in the licensed premises foreign liquor except stocks purchased from the permitted wholesalers / BIO-1, of any kind which he is not authorized to buy, stock or sell under the provisions of the Act or the rules, regulations or orders made there under.</p> <p>(6) The licensee shall not stock foreign liquor in any place other than the licensed premises. The licensee shall be held responsible for any foreign liquor unauthorized kept outside or nearby the licensed premises.</p> <p>(7) The licensee shall transport foreign liquor to the license premises through transport passes issued under relevant rules.</p> <p>(8) Every bottle of foreign liquor in the shop shall carry labels prescribed by the Excise Commissioner on the cap of the bottle in addition to the manufacturer's label and security code.</p>	<p>Provided that all these eligible brands can be sold in all SKUs (Stock Keeping Units) permitted by Excise Commissioner.</p> <p>(2) The licensee shall procure Foreign Liquor from license holder of FL-2, FL-2B, BIO-1 or from any licensee authorized by the Excise Commissioner. In case of non-availability of any type of brands of overseas foreign liquor at importing units, authorized persons may procure these brands under special permission of Excise Commissioner from custom bonds established in other states or Union Territories under provisions of import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules 2003.</p> <p>(3) The licensee shall not sell any foreign liquor to any person for consumption "on" the premises and shall not sell any foreign liquor to any other licensee.</p> <p>(4) The licensee shall sell only those brands of imported foreign liquor and IMFL which are registered for sale in Uttar Pradesh in sealed bottles/packs and sizes as approved by Excise Commissioner.</p> <p>(5) The licensee shall not stock or sell in the licensed premises foreign liquor except stocks purchased from the permitted wholesalers / BIO-1, of any kind which he is not authorized to buy, stock or sell under the provisions of the Act or the rules, regulations or orders made there under.</p> <p>(6) The licensee shall not stock foreign liquor in any place other than the licensed premises. The licensee shall be held responsible for any foreign liquor unauthorized kept outside or nearby the licensed premises.</p> <p>(7) The licensee shall transport foreign liquor to the license premises through transport passes issued under relevant rules.</p> <p>(8) Every bottle of foreign liquor in the shop shall carry labels prescribed by the Excise Commissioner on the cap of the bottle in addition to the manufacturer's label and security code.</p> <p>(9) Only brands of vodka and rum having maximum retail price of Rs. 700 per 750 ml or more and brands of beer having maximum retail price of Rs. 140 per 500 ml can or more shall be allowed for sale.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
	<p>(10)(a) Premium retail vend shall also be allowed inside airports and metro stations/railway stations after getting no objection certificate from the competent authority. Entry and exit gates of such shops shall be from inside the main building.</p> <p>(b) Only wine tasting facility shall be allowed in a separate room at premium retail vend shops and sale in the tasting room shall be prohibited.</p> <p>(c) Sale of liquor accessories, as may be determined by the Excise Commissioner, shall also be allowed at premium retail vend shops.</p> <p>(d) If the licensee fails to lift liquor (foreign liquor, wine and low-strength alcoholic beverages) at least equivalent to monthly minimum guaranteed revenue in any month, he shall be required to deposit additional security equivalent to the outstanding revenue of the respective month within 10 days, failing which the license shall be automatically cancelled and the process of recovery of outstanding revenue will be initiated as per rules. The unsold stock at the shop shall also be seized:</p> <p>Provided that in case additional security equivalent to the outstanding revenue of the respective month/quarter is deposited within time, lifting can be made by the licensee equivalent to the revenue fixed for the next month as well as equivalent to the outstanding revenue of the previous month/quarter. If lifting is made equivalent to the total revenue fixed for any month/quarter, the additional security deposited earlier shall be refunded immediately by the District Excise Officer in case there is no other outstanding balance. Compounding action shall be taken if lifting is not made in the next month/quarter equivalent to the required revenue inclusive of outstanding revenue of the previous month/quarter.</p>

By Order,

Dr. Adarsh Singh,
Excise Commissioner,
 Uttar Pradesh.